उत्पन्न रिक्तियों के एवज में नए कर्मचारियों की भर्ती पर प्रतिबंध।

(2) श्रमशक्ति-सेवानिवृत्ति योजना के जरिए श्रम शक्ति में की वृद्धि पर नियंत्रण।

(3) प्रयोगात्मक "सभी व्यक्ति-सभी को राजगार" की अवधारणा को प्रयोगात्मक आधार पर लागू किया जा रहा है।

(4) उत्पादन और उत्पादकता में वृदि, जिसमें भूमिगत खानों के उत्पादन पर विशेष बल दिया जाना।

(5) पर्याप्त कामगार समर्थन इत्यादि उपलब्ध कराके उपकरणों की उपलब्धता और उपयोगिता में सुधार।

कोयला परियोजनाओं के लिये विद्युत आपूर्ति

1784 **श्री ईश दत्त यादव :**

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991-92 और 1992-93 के दौरान विभिन्न कोयला परियोजनाओं के संबंध में विद्युत की मांग कितनी थी और वास्तव में कितनी आपूर्ति की गई है; और

(ख) कोयला परियोजनाओं के लिए पर्याप्त विद्युत की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए उनके मंत्रालय द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) कोल इंडिया लि० ने सूचित किया है कि उसकी सभी सहायक कंपनियों की सम्पूर्ण विद्युत की आवश्यकताएं केवल ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (ई०को०लि०), भारत कोकिंग कोल लि० (भा०को०को०लि०) और सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लि० (से०को० लि०) को छोड़कर, पूरी की जा रही है। ई०को०लि०, भा०को०को०लि० और से०को०लि० के संबंध में वर्ष 1991-92 और 1992-93 के दौरान विद्युत की मांग और वास्तविक आपूर्ति का विवरण नीचे दिया गया है:

सहायक कंपनी का नाम	1991-92		1992-93	
	एम०वी०ए० में मांग	एम०वी०ए० में आपूर्ति	एम०वी०ए० में मांग	एम०वी०ए० में आपूर्ति
ई०को०लि०	120	97.6	120	93.9
भा०को०को०लि०	261	192.6	261	186.8
से०को०लि०	128.5	109.6	128.5	106.3

(ख) विद्युत की पर्याप्त आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों को नीचे दर्शाया गया है :–

(1) फीडरों का पृकीकरण, जिससे कि डी०वी०सी० स्रोतों से सीधी विद्युत आपूर्ति प्राप्त की जा सके, की कार्रवाई शुरू की है। इस संबंध में से०को०लि० में 80% फीडर को पहले ही पृथक कर लिया गया है। भारत कोकिंग कोल लि० के मामले में 60% फीडरों को पृथक कर लिया गया है। वर्ष 1994-95 तक सभी फीडरों को पृथक करने की कार्रवाई योजना तैयार करली गई है। इसके फलस्वरूप पृथक किए गए फीडरों में विद्युत की आपूर्ति में सुधार आया है।

(2) पद्धति के विफल हो जाने को रोकने के लिए बारम्बारता रिले को पूर्व में ही स्थापित कर लिया गया है।

(3) प्राथमिकता फीडरों को इन क्षेत्रों में बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विनिर्दिष्ट किया गया है।

(4) अधिकांश पम्पों को, जब भार ज्यादा न हो, उस अवधि के दौरान चलाया जा रहा है।

(5) कोलफील्ड्स क्षेत्रों में ग्रहीत विद्युत संयंत्र भी स्थापित किए जा रहे हैं।

कोयला उद्योग का विकास

1785. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कोयला उद्योग के विकास पर्याप्त संभावनाएं हैं ;

(ख) क्या सरकार ने इस प्रयोजनार्थ कोई कार्य योजना तैयार की है ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी विस्तृत रूपरेखा क्या है और इस क्षेत्र के विकास हेतु क्या-क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं; और

(घ) यदि ऐसी कोई कार्य योजना तैयार नहीं की गई है, तो उसके क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजीत कुमार पांजा) : (क) जी, हां।

(ख) से (घ) : कोयला उद्योगों के विकास के लिए योजना आयोग के परामर्श से सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना निष्पादित की है। आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए निर्धारित किए गए विभिन्न लक्ष्य नीचे दिए गए हैं :—

(i) **मांग** : आठवीं पंचवर्षीय योजना (1996-97) के अंतिम वर्ष तक कोयले की मांग कच्चे कोयले के रूप में 311·00 मि० टन प्रक्षिप्त की गई है।

(ii) **उत्पादन** : आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंतिम वर्ष (1996-97) के दौरान कोयले का उत्पादन लक्ष्य उपर्युक्त मांग की तुलना में 308.00 मि०टन निर्धारित किया गया है। इस संबंध में किसी भी तरह के अन्तराल को पिटहैड स्टाक से कोयले की निकासी करके पूरा किए जाने का प्रस्ताव है।

(iii) **उत्पादकता** : कोल इंडिया लि० के मामले में आठवी पंचवर्षीय योजना के अंत तक समग्र रूप में प्रतिव्यक्ति प्रतिपाली उत्पादन (ओ०एम०एस०) का 1.65 टन लक्ष्य रखा गया है।

धनबाद में गैर-कानूनी खनन कार्य

1786. **श्री गया सिंह** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) धनबाद के कितने स्थानों पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (कोल इंडिया लिमिटेड) के कोयला क्षेत्रों में कोयले का गैर कानूनी खनन कार्य और उसकी बिक्री की जा रही है ;

(ख) इस संबंध में भारत कोकिंग कोल लि० को कुल कितना घाटा हुआ है; और

(ग) वर्ष 1992-93 के दौरान कोल इंडिया लि० की विभिन्न इकाईयों के संबंध में उत्पादन, बिक्री, आय-व्यय इत्यादि का ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) कोल इंडिया लि० से प्राप्त सूचना के अनुसार